उन्नत

सीआईआई शुगर टेक कॉन्फ्रेंस में बोले चीनी उद्योग के दिग्गज

नई तकनीकों के इस्तेमाल से बढ़ेगा चीनी उद्योग

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। सीआईआई एग्रोटेक इंडिया- कृषि भारत की ओर से आयोजित सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को चीनी उद्योग से जुड़े दिग्गजों के साथ शुगरटेक का 10वां संस्करण आयोजित हुआ। दिग्गजों ने प्रदेश में चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीकों व बाईप्रोडक्ट के इस्तेमाल की बात कही।

सम्मेलन के अध्यक्ष व डीसीएम श्रीराम ग्रुप के अधिशासी निदेशक और कार्यकारी अधिकारी रोशन टामक ने चीनी उद्योग की उभरती भूमिका पर चर्चा की। कहा कि उत्तर प्रदेश न केवल चीनी उत्पादन बल्कि इथेनॉल, बायोगैस आदि के उत्पादन में भी प्रमुख भूमिका निभाता है। गन्ने से

रोशन टामक ने दीं अहम जानकारियां। -संवाद

चीनी बनाने के क्रम में प्राप्त प्रेसमड का इस्तेमाल कर कंप्रेस बॉयोगैस प्लांट लगा सकते हैं।

केंद्र सरकार की सतत योजना व प्रदेश सरकार की राज्य जैव ऊर्जा नीति के तहत कंप्रेस्ड बॉयोगैस प्लांट लगाना चाहिए। क्योंकि प्रेसमड आसानी से उपलब्ध है। इसके अलावा प्रदेश में प्रति हेक्टेयर गन्ना उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है। किसानों को नई तकनीकी जानकारी से उनकी आमदनी बढ़ेगी। धानुका एग्रीटेक लि. के मानद अध्यक्ष डॉ. आरजी अग्रवाल ने कहा कि कृषि में संसाधनों का इस्तेमाल कर किसानों को आत्मनिर्भर बना सकते हैं।

स्प्रे इंजीनियरिंग डिवाइसेज लि. के प्रबंध निदेशक विवेक वर्मा ने कहा कि कृषि इंजीनियरिंग और चीनी प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना काफी जरूरी है। यूपी कोऑपरेटिव शुगर फैक्टरीज फेडरेशन लि. के एमडी कुमार विनीत ने 2047 तक नई तकनीक अपनाकर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने पर जोर दिया।